

नया फॉर्मूला | पावर होल्डिंग कंपनी ने किया प्रावधान, पूरी योजना तैयार

60% राजस्व तो 24 घंटे बिजली

भास्कर नवजॉ पटना

राज्य में शहरी क्षेत्रों को 24 घंटे बिजली देने की योजना को और विस्तार दिया जाएगा। हालांकि इसके लिए कई कड़े प्रावधान भी किए गए हैं। यह उन्हीं क्षेत्रों को 24 घंटे बिजली मिलेगी जो क्षेत्र ऐसे फीडरों से जुड़े हों जो कम से कम 60 फीसदी राजस्व का भुगतान करते हैं। इससे कम राजस्व वाले इलाकों को कम बिजली दी जाएगी। इसे रेवेन्यू लिंकड सप्लाय स्कीम (आरएलएसएस) का नाम दिया गया है।



बिजली आपूर्ति को और बेहतर बनाने के लिए पावर होल्डिंग कंपनी ने पूरी योजना बनाई है। इसके तहत राजस्व के हिसाब से ही बिजली मिलेगी। शहरों को कम से कम 12 व अधिकतम 24 घंटे और गांवों को कम से कम 6 घंटे और अधिकतम 14 घंटे बिजली देने की योजना है।

ऊर्जा सचिव सह बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी के सीएमडी प्रलय अमृत ने बताया कि निजी कंपनी के माध्यम से राज्य के आठ जिलों (छपरा, सिवान, गोपालगंज, भोजपुर, बक्सर, पटना, दरभंगा, पूर्णिया) में सर्वे कराया जा रहा है, किस इलाके से बिजली कंपनी को कितने राजस्व की वसूली हो रही है। जिस इलाके से राजस्व की ज्यादा वसूली हो रही है, उस इलाके में लोगों को ज्यादा बिजली देने पर विचार किया जाएगा। सुकृष्णर का पब्लिक कंपनी का दूसरा स्थापना प्लान का पूर्व संस्था पर वह संवादताओं से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी के एमडी संजय सिंह, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी पलका साहनी मौजूद थीं।

घर नहीं बैठ सकते हैं अभियंता

विद्युत भवन में स्थापित होने वाले स्टेट लोड डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर (एसएलडीसी) के माध्यम से जिला मुख्यालय में बैठे अधिकारी पूरे राज्य के फीडरों पर सीधा नज़र रखेंगे। किस फीडर पर कितना लोड है, कौन फीडर बंद है, कौन फीडर ओवर लोड है। इसकी जानकारी मुख्यालय द्वारा फिट्टड में काम करने वाले अभियंताओं को दी जाएगी। इसी तरह राज्य की बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए 15000 करोड़ की योजना चल रही है। इस काम में 300 इंजीनियरों को लगाया गया है। फिट्टड में काम करने वाले अभियंता नई तकनीक के जरिए मोबाइल के माध्यम से पूरी काम की रियल टाइम रिपोर्टिंग करेंगे। जहाँ पर काम हो रहा है, वहाँ रमाल है या नहीं इस बात की जानकारी मुख्यालय के पास होगी।

शहरी क्षेत्रों में

राजस्व (%)	बिजली (घंटे में)
0-15	12
15-30	15
30-45	18
45-60	21
60 से ऊपर	24

ग्रामीण क्षेत्रों में

राजस्व (%)	बिजली (घंटे में)
0-10	06
10-20	08
20-30	10
30-40	12
40 से ऊपर	14

ग्रामीण विद्युतीकरण होगा विशेष ध्यान

ऊर्जा सचिव सह बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी के सीएमडी प्रलय अमृत ने कहा कि अगले वर्ष कंपनी व सरकार का सबसे ज्यादा ध्यान ग्रामीण विद्युतीकरण पर है। इसके विद्युतकर्मियों को उपभोक्ता फंडली बनाने पर सबसे ज्यादा जोर दिया जाएगा। राज्य के उपभोक्ताओं को वारिंटि व निर्बाध बिजली देने के लिए बिजली कंपनी लगातार प्रयास कर रही है। इसका असर दिखने लगा है।

Dainik Bhaskar, Patna Edition, page 09

New Formula | Power Holding Company Made Provisions, Whole Scheme Ready *60% Revenue will give 24 Hours Electricity*

The state will put emphasis on providing 24 hours electricity supply to urban areas. A number of steps have been taken in this direction. 24 hours electricity will be supplied to only those areas that are connected to the feeders generating a minimum of 60% revenue as payment. Under this scheme, areas generating low revenue will be supplied less hours of electricity. This scheme is been called Revenue Linked Supply Scheme (RLSS).

The company has come up with the scheme to improve the supply situation. According to the scheme, the supply of electricity to different areas will depend on the revenue generated for that particular area. In urban areas, a minimum of 12 hours and a maximum of 24 hours electricity will be supplied; and in the rural areas it is 12 hours and 24 hours respectively.

The Energy Secretary, who is also the Bihar State Power Holding Company Limited's CMD, Prataya Amrit mentioned that a survey covering revenue collection is also being conducted in eight districts of Bihar (Chapra, Siwan, Gopalganj, Bhojpur, Buxar, Patna, Darbhanga, Purnea). Those areas that have high collection rate will be eligible for more hours of electricity.

कंज्यूमर फ्रेंडली होगी बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी

दुरुस्त होगा बिलिंग सिस्टम

बेहतर-से-बेहतर विद्युत आपूर्ति और बिलिंग व्यवस्था पर हो रहा काम : प्रत्यय अमृत सभी फीडरों को 'लोड-फ्री फीडर' बनाने का लक्ष्य हाइ पैमेंट वाले उपभोक्ताओं को हर दिन 20 घंटे मिलेगी बिजली



पत्रकारों से बात करते सीएमडी प्रत्यय अमृत.

एक वर्ष में पावर होल्डिंग कंपनी की उपलब्धियां

संघटन	वर्ष 2013	वर्ष 2014
ग्रिड उपपैक	89	97
सर्किट लाइन	7329 किमी	8394 किमी
बिजली की मांग	2335 मेगावाट	2831 मेगावाट
ट्रांसमिशन क्षमता	500 एमवीए	700 एमवीए
निफारसी क्षमता	2700 मेगावाट	3500 मेगावाट

संवादकर्ता, पटना
बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी कंज्यूमर फ्रेंडली होगी. इस मोर्चे पर कंपनी लगातार काम कर रही है. उपभोक्ताओं के मोटरों की सही रीडिंग ली जाये और उन्हें सही बिल मिले, इस मोर्चे पर कंपनी उपभोक्ताओं के साथ सीधा संवाद बनाने का प्रयास कर रही है. बिजली आपूर्ति और बिलिंग सिस्टम को बेहतर-से-बेहतर बनाने के लिए कंपनी अठारह जिलों में सर्वे करा रही है. सर्वे रिपोर्ट मिलने के बाद कंपनी को और उपभोक्ता फ्रेंडली बनाने के मोर्चे पर काम किया जायेगा.

सीएमडी प्रत्यय अमृत ने किया. वे विद्युत भवन में कंपनी के दूसरी वर्षगांठ को पूर्व संज्ञा पर पत्रकार सम्मेलन में बोल रहे थे. उन्होंने बताया कि शनिवार को कंपनी का दूसरा स्थापना दिवस समारोह मनाया जायेगा. समारोह में मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे. दूसरी

वर्षगांठ पर उसके मेमोरियल हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा. सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाहूर वाफक जसविंदर सिंह की गजल गायिकी होगी. अधिवेशन भवन में मुख्यमंत्री कई अधिकारी-कर्मचारी को सम्मानित भी करेंगे. उन्होंने दवा किया कि छठ पूजा पर सूबे में निर्बाध विद्युत

आपूर्ति करने का लक्ष्य हासिल करने में कंपनी सफल हुई है. छठ पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति को लेकर कंपनी ने स्वतः अम्बुबर को बैठक की थी. बैठक में सभी वितरण केंद्रों के उचित रखरखाव, झूलते तारों को दुरुस्त करने, लूज कनेक्शन को सही करने और सेपरेटर आदि लगाने का निर्णय लिया गया था. इसके लिए दो-दो घंटे शट डाउन भी किया गया. पटना के 80 छठ घंटों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने में भी पैसा सफल रहा. निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए 32 वितरण ट्रांसफॉर्मर लगाये गये. साथ ही कंट्रोल रूम भी बनाया गया.

उन्होंने बताया कि कंपनी ने महाराष्ट्र के तर्ज पर रेवेन्यू लिंक स्लाइड स्कीम पर काम शुरू किया है. इसके तहत फाले चरण में छपरा में सर्वे कराया गया है. सर्वे में यह बात सामने आयी कि 40 प्रतिशत फीडरों का भ्रमस्तान लो है. कंपनी ने हाइ पैमेंट वाले उपभोक्ताओं को हर दिन कम-से-कम 20 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने का निर्णय लिया है. कंपनी ने अपने सभी फीडरों को 'लोड-फ्री फीडर' बनाने का लक्ष्य तय किया है. यही नहीं, कंपनी में प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग पर भी काम चल रहा है. इस पर 15 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे.

Prabhat Khabar, Patna Edition, page 02

Bihar State Power Holding Company Limited to be Consumer-Friendly

Billing System will Improve

- Work going on to improve electricity supply and billing situation: Pratyaya Amrit
- Aim to make all feeders “load-free”
- High paying consumers will get 20 hours of electricity per day

Bihar State Power Holding Company Limited is continuously working on being more “Consumer-Friendly”. For the consumers’ meters to be read correctly and hand them proper bills, the company is trying to establish a direct relation with the consumers. To understand the electricity supply and billing situation, the company is conducting survey in eight districts. After getting the survey reports, initiatives will be taken to make the company more consumer-friendly.

The CMD said the company has started working on the lines of Maharashtra’s Revenue Linked Supply Scheme. In the first phase, the survey was conducted in Chapra, which highlights that the payment from 40% of feeders is low. The company has decided to supply a minimum of 20 hours uninterrupted electricity to all the high paying consumers. The company aims to make all the feeders “load-free”.

मॉल-मार्केट, चौराहे, सचिवालय में एटीपी

बेहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी एवं उसकी अनुषंगी चारों कंपनियों का दूसरा स्थापना दिवस आज

भागम संवाददाता, पटना : राजधानी के 00 नए स्थानों पर एटीपी टाइट पैमेंट मशीन (एटीपी) लगाई जाएगी। मॉल, मार्केट, अनेमा हॉल, सचिवालय, मुख्य चौराहों पर गने वाली एटीपी मशीन में उपभोक्ता इजली बिल आसानी से जमा कर सकते हैं। इ जानकारी बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के सीएमडी सह ऊर्जा सचिव स्वयं अमृत ने शुरुवार को पत्रकार वार्ता में । वे कंपनी के स्थापना दिवस की पूर्व ध्या पर संवाददाताओं से बातचीत कर रहे । इस मौके पर ट्रांसमिशन और जेनरेशन र्पनी के एमडी संजय कुमार सिंह, साउथ हहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ी एमडी पलका साहनी और नॉर्थ बिहार वर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के एमडी इता मुरुगण डी. उर्फस्थित थे।

सीएमडी ने बताया कि 50 स्थानों पर टीपी लगाने के लिए स्थल चर्चाना कर नया गया है। पहले से 20 स्थानों पर एटीपी गी हुई हैं। पटना विद्युत आपूर्ति प्रतिष्ठान के लंबी भी आपूर्ति प्रमंडल के उपभोक्ता किसी े आपूर्ति प्रमंडल क्षेत्र में लगी एटीपी मशीन । बिजली बिल जमा कर सकते हैं। एक नवरी से सभी स्थानों पर एटीपी मशीन काम रने लगेंगी।

5 हजार करोड़ की बत रही योजनाएं : 15 ार करोड़ की योजनाएं राज्य में चल रही । दो वर्ष के अंदर सभी कार्य पूरा करना है। स योजना के कार्यावधन के लिए 300 िक्रेडिट अभियंता तैनात हैं। इनका कार्य मात्र िक्रेडिट की निगरानी करना है। योजनाओं की िनॉटरिंग मुख्यालय से की जा रही है। ऑन ाइन सिस्टम से निगरानी हो रही है। एक त्क में पूरे प्रोजेक्ट की जानकारी मिल

- एटीपी मशीन से बिजली बिल जमा करना हुआ और आसान
- 100 स्थानों पर लगेंगी मशीनें, 50 स्थान चिह्नित



डिस्ट्रीब्यूशन व्यवस्था पर होगी चर्चा

विद्युत कंपनियों की स्थापना दिवस पर अधिपेशन भवन में डिस्ट्रीब्यूशन व्यवस्था पर चर्चा होगी। इसमें सुधार के लिए किए जा रहे उपायों पर चर्चा होगी।

जाती है। कौन क्या कर रहा है? क्या की क्या प्रगति है? प्रतिदिन की रिपोर्ट, किन्हीं की जांच रिपोर्ट और सलाह आदि दिख जाती है। अब राशि और मैनपावर की कमी नहीं रह गई है। ग्रामीण विद्युतीकरण का कार्य सभी जिलों

महाराष्ट्र की तर्ज पर होगी राजस्व उगाही

महाराष्ट्र की तर्ज पर राजस्व उगाही के लिए अध्ययन किया जा रहा है। छपरा और सिवान जिला में अध्ययन किया गया है। ज्यादा बिजली खले क्षेत्र से कम राजस्व तथा कम बिजली अपूर्ति वाले क्षेत्रों से ज्यादा राजस्व उगाही का मामला सामने आया है। अब ट्रांसफार्मर स्तर पर उपभोक्ताओं की सूची तैयार है। ज्यादा राजस्व वाले क्षेत्र में ज्यादा बिजली दी जायेगी। महाराष्ट्र में भी पहले ऐसा था। आठ हजार फीडर में मात्र एक हजार फीडर पर 24 घंटे बिजली दी जाती थी अब सभी पर 24 घंटे बिजली दी जा रही है। राजस्व में वृद्धि हुई है। फ्रेंचाइजी का भी अध्ययन हो रहा है।

आज स काम करने लगगा मॉडल एसएलडीसी

अध्ययनिक तकनीक से बना स्टेट लोड डिस्ट्रिब्यूशन सेंटर रचना से कार्य करने लगेंगा। विद्युत भवन में बने इस सेंटर का उद्घाटन मुख्यमंत्री जितन राम मांडी करेंगे। इससे राज्य के सभी फीडर जुड़े हैं। फीडरों में आई खराबियों की जानकारी, फिस फीडर पर फिना लोड है, फिना बिजली की मांग हो रही है? आदि की जानकारी मुख्यालय से ही अभियंता लेते रहेंगे।

में शुरू हो गया है। अधिकतम 2934 मेगावाट बिजली आपूर्ति : अब तक अधिकतम 2934 मेगावाट बिजली आपूर्ति की गई है। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने 1746

गजल की छटा बिखेरेंगे जसविंदर सिंह

स्थापना दिवस पर एस्के मेमोरियल हॉल में देश के प्रख्यात गजल गायक जसविंदर सिंह गजल की छटा बिखेरेंगे। जिसमें विद्युतकर्मी परिवार के साथ शामिल होंगे।

तीन सीएमडी होंगे सम्मानित

स्थापना दिवस एनटीपीसी के सीएमडी अनूप राय चौधरी, पीटीसी के सीएमडी दीपक अमिताभ और पावर ग्रिड कन्सोर्शियम ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएमडी आरपन नायक को मुख्यमंत्री जितन राम मांडी सम्मानित करेंगे। तीनों ने बिहार में ऊर्जा क्षेत्र में प्रगति के लिए अथक प्रयास किए हैं। स्थापना दिवस अधिपेशन भवन में आवेक्षित मुख्य समारोह में तीनों सम्मानित होंगे। इसके साथ एक वर्ष के दौरान बेहतर कार्य करने वाले कंपनी के अभियंता सम्मानित होंगे।

छठ पूजा में की गई बेहतर व्यवस्था

छठ पूजा के दौरान राजभर में अभियंताओं ने बेहतर व्यवस्था की। राजधानी में गंगा घाट के किनारे की व्यवस्था के लिए मॉक ड्रिल कनाया गया था। सभी अभियंता और कर्मचारी धन्यवाद के पात्र हैं।

मेगावाट तथा नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने 1188 मेगावाट बिजली आपूर्ति का रिकॉर्ड बनाया है। ट्रांसमिशन लाइन क्षमता 3500 मेगावाट की हो गई है। 2015 तक यह क्षमता 4500 मेगावाट हो

स्थापना दिवस कार्यक्रम का करेंगे बहिष्कार

पटना : विद्युत कंपनियों के स्थापना दिवस समारोह का कई संगठन बहिष्कार करेंगे। बिहार विद्युत प्रशासनिक सेवा संघ के महासचिव अशोक कुमार सिंह और बिहार विद्युत तकनीकी कामगार यूनियन के महासचिव देवकी राय ने कहा कि राज्य सरकार और विद्युत कंपनियों कर्मियों की सेवा शर्तों की अनदेखी कर रही है। कर्मियों की लगातार उपेक्षा हो रही है। 13 सितंबर 2013 को विद्युत भवन के सम्मलेन लॉन्चिंग की घटना की आज तक जांच नहीं कराई गई। उस समय दिए गये आश्वासन आज तक पूरे नहीं किए गए। दोनों यूनियन से संबंधित कोई भी कर्मी स्थापना दिवस समारोह में भाग नहीं लेगे। बिहार स्टेट इलेक्ट्रिसिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि विद्युतकर्मियों का पश्चिम अक्षरमय होता जा रहा है। कंपनी को इतनी धिंता नहीं है। कंपनी की प्रगति मात्र छलबल है। सचिदा कर्मी, नई निवेशन नीति के तहत बहाल कर्मी, फ्रेंचाइजी व एजेंसी के तहत बहालकर्मियों अत्यंततन पर कार्य कर रहे हैं। अनुरोध कर्मियों को भी कंपनी अत्यंततन दे रही है। इससे ऐसे तमाम कर्मचारियों में रोष है।

जायेगी। पीक आवर में बिजली की मां 2831 मेगावाट तक हो रही है। 2015 तक 220/132 केवी स्तर पर 1050 एमवीए तक 132/33केवी स्तर पर 1720 एमवीए ट्रांसमिशन क्षमता में वृद्धि की योजना है

Dainik Jagran, Patna City Edition, page 08

Revenue Collection based on Maharashtra Lines

On the lines of Maharashtra, a study is being conducted for establishing a revenue collection model. A study has been conducted in Chapra and Siwan. The issue of less revenue collection from areas getting more electricity supply, and more collection from low-supply areas has come into picture. Now, the consumer list, based on the connections from the transformer is also ready. The areas showing higher revenue collection will be supplied more hours of electricity. Earlier, Maharashtra was also faced with the same problem. Out of its eight thousand feeders, only about thousand used to get 24 hours supply; but now all the feeders receive 24 hours of power supply. Revenue collection has improved and the electricity distribution franchisees are also part of this study.